

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन और राष्ट्रीय संस्कृतिकोष

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन और राष्ट्रीय संस्कृतिकोष में प्राप्त उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन क्या है?

- **परिचय:**
 - राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन की स्थापना वर्ष 2003 में पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी।
- **उद्देश्य:**
 - राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के मुख्य उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत का **दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण** और ऑनलाइन प्रसार करना है।
 - इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये मिशन ने पूरे भारत में **100 से अधिक पांडुलिपि संसाधन केंद्र और पांडुलिपि संरक्षण केंद्र** स्थापित किये हैं।
 - भारत में अनुमानतः **दस मिलियन पांडुलिपियाँ हैं**, जो संभवतः विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है। इनमें विभिन्न प्रकार के वषिय, बनावट और सौंदर्यशास्त्र, लपियाँ, भाषाएँ, सुलेख, रोशनी तथा चित्रण शामिल हैं।
- **पांडुलिपि:**
 - पांडुलिपि कागज़, छाल, कपड़े, धातु, ताड़ के पत्ते या किसी अन्य सामग्री पर **हस्तलिखित रचना** होती है जो कम-से-कम पचहत्तर वर्ष पुरानी हो और जिसका महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक, ऐतिहासिक या सौंदर्यात्मक मूल्य हो।
 - पांडुलिपियाँ ऐतिहासिक अभिलेखों जैसे **पुरालेख, फरमान/अधदेश और राजस्व अभिलेखों** से भिन्न होती हैं, क्योंकि उनमें प्रत्यक्ष ऐतिहासिक सूचनाओं के बजाय मुख्य रूप से ज्ञान सामग्री होती है।
 - पांडुलिपियाँ **विभिन्न भाषाओं और लपियों** में होती हैं।

नोट:

- **प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्ववीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958** के अनुसार 'प्राचीन संस्मारक' किसी भी संरचना, नरिमाण/संस्मारक या किसी टीले या समाधि की जगह अथवा किसी गुफा, शैल-मूर्तकिला, शिलालेख या पांडुलिपि को परभाषित करता है जो **ऐतिहासिक, पुरातात्विक या कलात्मक** रुचिका है और जो **कम-से-कम 100 वर्षों से अस्तित्व में** है।

राष्ट्रीय संस्कृतिकोष क्या है?

- **परिचय:**
 - सरकार ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने, उसकी रक्षा करने और उसे संरक्षित करने की **दशा में सार्वजनिक नज़ी भागीदारी (PPP)** के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिये **चैरिटेबल एंडोमेंट एक्ट, 1890** के तहत वर्ष 1996 में एक ट्रस्ट के रूप में **राष्ट्रीय संस्कृतिकोष (NCF)** की स्थापना की।
 - यह दाता/प्रायोजक संस्थाओं को सरकार के साथ सीधे भागीदार के रूप में भारत की **समृद्ध मूर्त तथा अमूर्त संस्कृति और धरोहर (संस्मारक/सांस्कृतिक परंपराएँ) के संरक्षण, पुनरुद्धार, संरक्षण एवं विकास का समर्थन करने में सक्षम बनाने के लिये एक वित्तपोषण तंत्र** के रूप में कार्य करता है।
- **उद्देश्य:**
 - विशेषज्ञों और सांस्कृतिक प्रशासकों के **एक केंद्र का प्रशिक्षण एवं विकास**।
 - मौजूदा **संग्रहालयों में अतिरिक्त स्थान प्रदान करना** और नई एवं विशेष दीर्घाओं को समायोजित करने या बनाने के लिये नए संग्रहालयों का नरिमाण करना।
 - **सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों और रूपों**, जो समकालीन परिदृश्यों में अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं या तो लुप्त हो रहे हैं या विलुप्त होने का

सामना कर रहे हैं, का दस्तावेज़ीकरण।

■ **NCF की विशेषताएँ:**

- NCF वरिष्ठ, संस्कृत और कला के क्षेत्र में साझेदारी के लिये एक भरोसेमंद तथा नवीन मंच प्रदान करता है।
- परियोजनाओं की देखरेख एक परियोजना कार्यान्वयन समिति (PIC) द्वारा की जाती है जिसमें दाता, कार्यान्वयनकर्ता और NCF के प्रतिनिधि होते हैं।
 - NCF के खातों का लेखा-जोखा भारत के न्यंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा वार्षिक रूप से किया जाता है।

■ **सदस्य:**

- NCF का प्रबंधन संस्कृत मंत्रि की अध्यक्षता वाली परिषद और सचिव की अध्यक्षता वाली कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. इनमें से कसि मुगल सम्राट ने सचतिर पांडुलिपियों से ध्यान हटाकर चतिराधार (एलबम) और वैयक्तिक रूपचतिरों पर अधिक ज़ोर दिया? (2019)

- (a) हुमायूँ
- (b) अकबर
- (c) जहाँगीर
- (d) शाहजहाँ

उत्तर: (c)

प्रश्न. हाल ही में नमिनलखिति में से कसिकी पांडुलिपियों को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ वरल्ड रजसिटर में सम्मलिति किया गया है? (2008)

- (a) अभधिमम पटिक
- (b) महाभारत
- (c) रामायण
- (d) ऋग्वेद

उत्तर: (d)

??????????:

प्रश्न. भारतीय कला वरिष्ठ की रक्षा करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिये। (2018)